

मारजुआना (Marijuana) नरिमति दवाओं का अध्ययन

चर्चा में क्यों?

भारत के तीन प्रमुख वजिज्ञान समर्पित संस्थान - वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और बायोटेक्नोलॉजी विभाग (DBT) हर्बल दवाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिनमें मारजुआना से नरिमति नई दवाएँ भी शामिल हैं।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- इस तरह के पहले अध्ययनों में CSIR और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिसिन (IIIM) तथा टाटा मेमोरियल सेंटर (TMC), मुंबई के भी संयुक्त रूप से शामिल होने की संभावना है।
- शोधकर्ताओं द्वारा जम्मू के CSIR-IIIM परिसर में उगाए जाने वाले मारजुआना से उम्मीद है कि यह स्तन कैंसर, सकिल सेल एनीमिया के साथ-साथ "बायो-समकक्ष" के उपचार में समान रूप से प्रभावी हो सकता है।
- उल्लेखनीय है कि मारजुआना से नरिमति दवाएँ पहले से ही संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (US FDA) द्वारा अनुमोदित हैं।
- मारजुआना को औपचारिक रूप से वाणिज्यिक खेती हेतु अवैध माना जाता है, हालाँकि, यह देश के कई हिस्सों में खरपतवार के रूप में अक्सर देखने को मिला जाता है।

मारजुआना (Marijuana/Cannabis)

- मारजुआना को कई देशों में नशे के रूप में प्रयोग किया जाता है और यही कारण है कि यह कई देशों में प्रतिबंधित है।
- मारजुआना को कैनबिस, गांजा और भांग के नामों से भी पुकारा जाता है।
- इसका उपयोग कीमोथेरेपी के वक्त मत्ली और उल्टी कम करने, एचआईवी / एड्स के रोगियों में भूख सुधार और माँसपेशियों की ऐंठन को दूर करने हेतु भी किया जाता है।
- उत्तराखंड, जम्मू और इसी महीने उत्तर प्रदेश ने भी चिकित्सा अनुसंधान के लिये इस पौधे की प्रतिबंधित खेती को पुनः अनुमति प्रदान की है।
- मारजुआना की चिकित्सकीय क्षमता के विषय में अध्ययन से जड़ी बूटियों और पौधों से प्राप्त नई दवाओं को बनाने के लिये यह एक बड़ा सरकारी प्रयास है जिसका वर्णन आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक दवा नरिमाण प्रणालियों में किया गया है।

अध्ययन में शामिल प्रमुख संस्थानों के विषय में

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)

- वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में अपने अग्रणी अनुसंधान एवं विकास ज्ञानाधार के लिये ज्ञात यह एक समसामयिक अनुसंधान एवं विकास संगठन है।
- सीएसआईआर रेडियो और अंतरिक्ष भौतिकी, महासागर वजिज्ञान, भूभौतिकी, रसायन, औषधि, जीनोमिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और नैनो-प्रौद्योगिकी से लेकर खनन, वैमानिकी उपकरण, पर्यावरणीय इंजीनियरिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी तक वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यापक विषयों व क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)

- ICMR जैव चिकित्सा अनुसंधान के समन्वय और प्रचार के लिये दुनिया के सबसे पुराने चिकित्सा अनुसंधान निकायों में से एक है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है।

बायोटेक्नोलॉजी विभाग (DBT)

- DBT वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक भारतीय सरकारी विभाग एवं नोडल एजेंसी है जो अनुसंधान वजिज्ञान और जीवन वजिज्ञान में

- इसके अनुप्रयोगों का समर्थन करता है तथा देश में जैव प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग को गति को बढ़ावा देता है ।
- इसकी स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी ।

स्रोत द हट्टि, इंडियन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/study-of-marijuana-derived-drugs>

